PTJ1-2

यीशु के पुनरुत्थान के सबूत - प्रोग्राम 2

डॉ। जॉन एकरबर्ग : सवाल, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

ये सत्य है या मनघडत है?

क्या इसके मायने हैं?

इसके सबूत क्या हैं?

आप क्या जवाब देगे यदि आपके अविश्वासी दोस्त आप से पुछते हैं?

क्या यीशु का पुनरुत्थान मनघड़त नही है?

हम कैसे जानेगे कि वो सच में मर गया था? जब उसे क्रूस से उतारा गया/ और उसके मरने और गाढे जाने के बाद/ जब यीशु 500 से ज्यादा लोगों को दिखाई दिया/ ये क्या उनके मन के सायक्लॉजीकल प्रभाव थे, या असली यीशु का वास्तविक शारीरिक प्रकटीकरण था?

आज के मेरे मेहमान इसका जवाब देगे, जो पहले नास्तिक थे और अब विश्वासी हैं, मिस्टर ली स्ट्रोबल/ ये फॉरमर लीगल एडीटर हैं शिकागो ट्रिब्युन के/ और न्युयॉक टाईम्स के बेस्ट सेलिंग ऑथर, जिनकी लगभग 20 किताबें विख्यात हैं/ हम आपको न्योता देते हैं कि अदभुत सबूत देखे यीशु के पुनरुत्थान के/ इस स्पेशल एडीशन जॉन एन्करबर्ग शो में

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमारे प्रोग्राम में आपका स्वागत है, आज अदभुत प्रोग्राम हैं, मेरे मेहमान हैं मिस्टर ली स्ट्रोबल, ये ग्रैज्युएट है, येल युनिवर्सीटी से, लॉ में डीग्री की है/ और फिर 30 साल तक ये अवार्ड विनिंग लीगल एडीटर थे, शिकागो ट्रीब्युन में/ हम इनकी कहानी के बारे में चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि ये जीवन में ज्यादा समय तक दोष निकालनेवाले थे, और इन्हें दो साल लगे कि परिक्षण करे, यीशु मसीह के दावों का, और उससे क्या करे ये जाने, इन सबूतों ने इन्हें मसीह यीशु पर विश्वास में लाया/ और हम चर्चा कर रहे हैं, कि ये सबूत हैं, हम चाहते हैं कि आप इसे सुने, और ली, अपनी कहानी बताईए, ज़रा शुरु में कुछ बताईए/

ली स्ट्रोबल: जी, मैं बपचन से ही नास्तिक था/ किशोर अवस्था से, और मेरी शादी इस लडकी से हुई जो एग्नॉस्टीक थी, वो यीशु की अनुयायी बन गई, जिसने मुझे क्रोधित किया और मैंने सोचा कि तलाख हो जाएगा/ लेकिन जब मैंने उन में सकारात्मक बदलाव देखे, और सच में खुद को मसीही संदेश के लिए खोल दिया/ मैंने सोचा, जानते हैं, ये समय मेरे लिए योग्य है कि जांच की जाएं/ कि परिक्षण करें और देखे कि क्या ये दोष निकालनेवाले के दृष्टिकोण से ये खरा निकलता है क्या/ तो मैंने शुरु किया ये दो साल का परिक्षण था, मसीहीयत और दूसरी आस्थाओं के लिए भी/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : फिर से टॉम उस समय आप कितने दोष ढ़ड़नेवाले थे और कैसे थे आप शिकागो ट्रीब्युन में लीगल एडीटर भी रहे/

ली स्ट्रोबल: जी, मैंने बताया था कि हम खुद पर घमण्ड करते थे, कि हम दोष निकालते हैं, और हमारे न्युज़ में हम कहते थे, कि यदि आप माँ कहती हैं कि आप से प्यार करती हैं तो उसे जाँचिए/ अब शब्द थे, सच्चाई क्या है, सबूत कहाँ हैं/ इसका प्रमाण कहाँ है? मैं तो ऐसे ही था/ मतलब आप कल्पना कर सकते हैं जॉन, यदि आप जरनलिज़म और लॉ एक साथ जोड़े, और इस में दोष निकालनेवाला हो जाएं, तो क्या मिलेगा/ लेकिन मैं ऐसे ही था, और ये मेरे लिए बहुत ही स्वाभाविक था/ क्योंकि मेरी जीविका के लिए मैं शिकागो ट्रीब्युन में यही करता था कि ये बात सत्य है ये ढूड़ते थे, मैं एक्सपट्र्स को बुलाता/ आर्कियॉलॉजी की पढाई करता/ प्राचिन इतिहास देखता था/ मैं हस्त लेखों के सबूत और इन बातों को देखता/ ऐसा करना मेरे लिए बहुत ही स्वाभाविक था/ याने, देखिए, इस में यही फर्क था जॉन की ये मैने परिक्षण की हुई सबसे बड़ी कहानी है/ मतलब मैंने कुछ बड़ा काम किया, मैंने अपने परिक्षण के लिए बड़े अवॉर्डस भी पाएं हैं/ लेकिन किसी पर भी इतना लिखा हुआ नही है/ जैसे ये सवाल हैं, नंबर एक, क्या यीशु ने कभी परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया है/ और यदि किया है तो नंबर दो, तो क्या उसका सबूत है, इसे साबित किया मुर्दों में से जी उठने के द्वारा/ मेरे लिए इस मुद्दे का जड़ यही थी/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जब आप ने कहा कि ये सब शुरु किया तो वो सच हैं, इसके लिए नही/ लेकिन इसे गलत साबित करने के लिए/

ली स्ट्रोबल: जी, देखिए, कोई तरिका नही था, मैं इतना बुरा अनैतिक जीवन जी रहा था/ सच कहूँ तो मैं कभी उसके लिए लेखा देना नही चाहता था/ मैं नही चाहता था कि प्रभु मेरी ओर इस तरह देखे/ मैं जो चाहता वही करना चाहता था, जैसे चाहे वैसे जीना चाहता था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : फिर आप ने जाना कि आप मसीह में विश्वास करते हैं/ तो आप में बदलाव आएं/

ली स्ट्रोबल: जी, मैंने ये जाना, खैर मेरी पत्नी कहा करती थी, जानते हैं, मेरे पास आशा नही है, मेरे जीवन के लिए कोई आशा नही है, मतलब वो लोगों को बताती थी, जब वो विश्वासी हुई, कहती मेरे पास आशा नही है/ ये कठोर दिमाग के, कठोर दिल वाले लीगल एडीटर हैं, शिकागो ट्रिब्युन के, मेरे पास आशा नही है कि ये कभी यीशु मसीह के सामने अपने घुटने टेकेगे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : फिर बताईए, पॉईन्ट नंबर एक/

ली स्ट्रोबल: क्या यीशु ने परमेश्वर का पुत्र होने का दावा किया? बिलकुल, मैं सोचता हूँ कि रेकॉर्डस पूरी तरह से हैं कि कोई भी इमानदारी से इन रेकॉर्ड का परिक्षण कर सकता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : लेकिन आप नही जानते थे कि ये चल रहा है/

ली स्ट्रोबल: नही, मैंने सोचा कि ये लेजिन्ड का है जो कई दशकों में तैयार किया गया है/ उसके जीवन के बाद, लेकिन उसके सबसे पहले रेकॉर्ड या ने पहली बायोग्राफी में, जो मरकूस में लिखा गया है, जो प्रेरित पतरस का आँखो देखा हाल बताया है/ मतलब ये शुरु में जाता है और ये बताता है कि यीशु खुद को मनुष्य का पुत्र कहता है, ये केवल मनुष्य होने का दावा नही कर रहा था, ये ईश्वरत्व का दावा करना था, क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो दानिएल अध्याय 7 में दर्शाया गया है/ जिस में ये आलौकिक विशेषता होगी, जो मनुष्य का न्याय करेगा/ जिसका राज्य हमेशा बना रहेगा/ सब लोग उसकी आराधना करेगे, वो महान होगा, वो पिता की उपस्थिति में होगा/ ये तो उस आलौकिक के गुण होगे/ और फिर अवश्य ही उसके परखे जाने में, जब उससे पुछा गया कि क्या तू मसीहा है,उस धन्य का पुत्र/ क्या तू मसीहा है, परमेश्वर का पुत्र/ मैं हूँ, उसके मुंह से पहले शब्द निकले/ फिर वो दानिएल अध्याय 7 से कहता है, अपने बारे में बताता है, और ये महायाजक कैसे जवाब देता है/ कहता (है), ईश्वर निन्दा, क्यों? क्योंकि यीशु जो केवल मनुष्य था परमेश्वर होने का दावा कर रह था/ और ये मेरे लिए काफी नही था/ ये काफी नही था कि दावा कर रहा है, ये काफी नही था कि उसकी शिक्षा अच्छी थी, इतिहास में बहुत अच्छे शिक्षक रहे हैं, कोई बात नही/ मेरे लिए सवाल था कि क्या वो सबूत दे सकता है, क्या इसे साबित करेगा/ प्रमाण दे सकता है क्या/ वचन के अनुसार उसने चमत्कार किएं/ लेकिन जानते हैं, 2000 साल पहले ये हुआ इसे पढना तो एक बात है, लेकिन मुझे ऐसा कुछ चाहिए था जो चमत्कार से परे हो, वो शायद हाथ की सफाई हो, मुझे ऐसा कुछ चाहिए था जिसे पर बहस न हो/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : याने आपने बड़ी बात ढूडनी चाही/

ली स्ट्रोबल: पुनरुत्थान तो मसीहीयत के लिए सबसे बड़ा है/ मतलब प्रेरित पौलुस ये कहता है, और सब इसे जानते हैं, जेरेल ओकालन्स थियोलोजियन ने एक बार कहा/ कि पुनरुत्थान के बिना मसीहीयत, तो अंतिम अध्याय के बिना की मसीहीयत होगी/ ये तो मसीहीयत है ही नही/ सब इस पर आधारित था कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा/ ये साबित करता है कि वो परमेश्वर का पुत्र है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, तो आपने सबूत कैसे पाएं?

ली स्ट्रोबल: जी, सबूत ढूडने में दो साल लगान योग्य था/ लेकिन सारांश में बताना चाहुंगा, इन 5 शब्दों से जो ई से शुरु होते हैं/ पहला है, एक्सीक्युशन, जब यीशु को क्रूस पर से निचे उतारा गया तो क्या वो मरा था, मैं सोचता था कि वो बेहोश हो गया होगा, और उसे क्रब में ले गएं, ठडी हवा में, जिससे जी में जी आया/ तो ये चमत्कारी पुनरुत्थान नही होता, ये तो बस बेहोश होकर होश में आना होता, खैर, आप देखिए कि क्रुसीकरण में क्या होता था/ तो आप जानेगे कि ऐसा नही हो सकता था/ वो जरुर मर गया था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्यों?

ली स्ट्रोबल: खैर, सबसे पहले, कि उसे रोमी अधिकारीयों द्वारा बहुत मारा गया/ उन कोड़ों से जिन में, सूखी हड्डीयाँ होती और लोहा होता/ रोमी दण्ड के एक आँखों देखे गवाह ने

कहा, कि मसल्स और हड्डीयाँ और (यहाँ तक की) उस अपराधी की अंतडीयाँ भी खुली हुई दिखाई देती थी/ ये तो बहुत कठोर होता था, सच में, आपको याद है, मूवी पैशन ऑफ क्राईस्ट, मैं मेल गीबसन को जानता हूँ, उस फिल्म की रेकॉर्डींग के समय/ और जब फिल्म पर हिंसा के कारण दोष लग रहे थे, यीशु के क्रूसीकरण के समय जिस क्रूरता से उसे मारा गया/ मैंने सोचा कि ये अजीब है, इससे फिल्म के दर्शक कम हो जाएगे/ मैंने कहा मेल, ज़रा सोचो,

डॉ। जॉन एकरबर्ग : उन्हें थोड़ी सलाह दी/

ली स्ट्रोबल: जी, मेरी सलाह है, जानते हो, इसमें इस हिंसा के बारे में सोचो, उसने मेरी ओर देखकर डूड, मैंने इसे बहुत कम किया है, और वो सही थे, उनका अर्थ था, जो सच में हुआ था उसकी तुलना में ये कम किया है, लोग इसे देख नही सकते थे, लोग सामना नही कर सकते थे, यदि वो ऐतिहासिक रुप में जो हुआ वैसे ही करते, मैंने मेडीकल एक्सपर्टस का इन्टरव्यु लिया, उन्होंने कहा कि यीशु हायपो-विलिमिक शॉक में थे/ इतनी मार के बाद, और ये शॉक बहुत खुन बहने से होता है/ और फिर कलाई और पैरों में कील ठोके जाते, और क्रूस से जड़ा जाता, ये सीने की मांसपेशी पर दबाव डालता है/ तो श्वास नही ले सकते, फेंफड़ें दब जाते, श्वास नही ले सकते थे, श्वास लेने का एक ही तरिका था कि खुद को ऊपर उठाएं, अपने पैरों से, लेकिन इन में पीठ क्रूस की लकड़ी से घिसती थी, फिर श्वास छोड़कर नई श्वास लेकर नीचे जाएं/ और फिर से ऊपर जाएं, और श्वास ले और ये सब, मतलब जल्द ही थक जाते.

सच में इसी तरह से रोमी किसी की मृत्यु इतनी जल्दी लाना चाहते थे, तो लोहे का हथोड़ा लेकर घुटने की हड्डी तोड़ देते/ कि वो ऊपर न उठ सके/ कि वो श्वास न ले सके, या एक तरह से दिल की धड़कन बंद होती श्वास न लेने के कारण/ यहाँ तक कि जनरल ऑफ द अमेरिकन मेडीकल असोसिएशन ने ऐतिहासिक डेटा का परिक्षण किया/ और स्पष्ट कहा कि यीशु मर गया था, यहाँ तक कि उसकी पसली में भाला मारने से पहले ही, खैर उस भाले ने उसके दिल और फेफड़ों (हार्ट और लंग्स) को पंचर किया था/

सच में देखिए, 5 सेक्युलर सोरसेस हैं, जो ये साबित करते हैं, देखिए टैल्युअस हैं जो प्राचिन इतिहासकार थे, फिर जोसीफस थे, ये भी इतिहासकार थे, यहाँ तक कि यहूदी टैलमैड कहता है कि यीशु मारा गया, लटकाने से याने क्रूस पर लटकाने से/ तो जॉन, चलिए संसार में नए नियम के बहुत स्पैक्टीकल स्कॉलर को देखते हैं, ग्रर्ड लूडमेन को देखिए, नास्तिक, वैन्युवर युनिवर्सीटी के, वो आपको बताएंगे, जॉन डॉमनीक क्रॉसन, जो लीबरल क्रिशचन थे, ये हमें बताते हैं कि प्राचिन इतिहास से हम जो भी सच्चाई जानते हैं, उन में से हर एक के पास मज़बुत बुनियाद है/ कि यीशु मर गया था/ जब उसे क्रुस से उतारा गया था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, और उन्हें रॉकेट साईन्टीस्ट होने की जरुरत नही, कि जाने कि वो मर गया था/ जब खुद को ऊपर उठाएं तो श्वास ले सकते हैं, यदि नीचे लटके हैं, पिछले 15 मिनट से, या 30 मिनट में ऊपर न जाएं तो मर जाएंगे, क्योंकि फेफड़ों में कोई श्वास बाकी नही रहती है/

ली स्ट्रोबल: ज़रा इस बारे में सोचिए कि यीशु किसी तरह से, इसमें कुछ समय तक रहा/ और किसी तरह से लोगों को अपनी शिक्षा से मुर्ख बताएं कि वो जी उठा है, और किसी तरह से उस लिनन रैपिंग से निकला जिस में लपेटा था, और किसी तरह से कब्र के पत्थर को लूढ़काया/ और किसी तरह से कब्र के गार्डस से बच निकला/ तो सोचिए वो किस दशा मे था/ वो तो भयानक और मुश्किल परिस्थिती में था, कि संसार में किसी तरह से चेले उसे देखकर नही कह सकते थे, ओ ये अदभुत है, आओ पूरे संसार के लिए एक मुवमेन्ट बनाएं, इस महिमामय आशा के साथ कि एक दिन हमारे पास पुनरुत्थान की देह होगी और हम भी वापस लौट आएगे/ वो उसे देखकर 911 पर फोन करते, और कहते इसकी मदत करो/ मेरे प्रभु, ये दयनिय है/ याने सच में इस विचार के लिए कोई ऐतिहासिक सपोर्ट नही है, कि यीशु क्रूस पर किसी तरह से बचा होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : तो दुसरा पॉइन्ट/

ली स्ट्रोबल: दूसरा पॉईन्ट तो अरली अकाऊन्ट है/ मैं इस तरह का विचार रखता था कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ मनघड़त है, लोगों के इसके कई दशकों बाद इसे बनाया है/ लेकिन मैंने देखा है कि हमारे पास पुनरुत्थान के लिए शुरु के ऐतिहासिक सबूत हैं/ ये केवल चारों सुसमाचारों में ही नही हैं/ लेकिन उसके पहले ही, हमारे लिए एक क्रीड रखी गई है, जिसे शुरु के विश्वासीयों ने याद किया था,और ये क्रीड़ हमारे लिए रखी गई है प्रेरित पौलुस के द्वारा 1 कुरिन्थियों 15 वचन 3 और उससे आग़े में/ और ये क्या कहता है, ये कहता है कि यीशु मरा/ क्यो? हमारे पापों के लिए, वो गाढा गया, वो तीसरे दिन फिर जी उठा, और फिर वो आंखों देखे गवाहों का नाम लिखता है, जिस में स्कैपटीक्स थे जिनका जीवन 180 डिग्री बदल गया था/ क्योंकि उन्होंने फिर उठे यीशु से मुलाकात की थी, अब जॉन, ये क्रीड याने चर्च की क्रीड उस समय के विद्वान ने इसकी तारीख लिखी है, इसमें बहुत थियॉलॉजीकल विश्वास है/ याने शुरु में देखे तो ये यीशु के जन्म के 2 से 5 साल पहले से है, और इस क्रीड़ को बनाने के लिए वो खुद क्रूस की बातों को देखते हैं/ याने ये लेजीन्ड नही जो कई दशक के बाद बढा/ हमारे पास न्युज़ फ्लैश है प्राचिन इतिहास से/ सच में, एविन शुवर वाईट, ये महान क्लासिकल स्टोरी है, ऑक्सफर्ट युनिवर्सीटी से/ उन्होंने स्टडी की कि किस तरह एक लेजिन्ड प्राचीन समय में बढते थे, और उन्होंने जाना कि दो पीढी का समय भी काफी नही है/ कि ये लेजिन्ड तो बताया गया था उसे पूरा मिटा दे/ हमारे पास यहां दो पीढी का समय नही है, हम यहां घटना के समय ही देखते हैं/ ये अदभुत रुप में सामर्थी ऐतिहासिक घटना है/ कि ये सत्य है कि यीशु मुर्दों में से जी उठा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठिक है अब ब्रेक लेते हैं और बाकी तीन पॉईन्ट्स को बाद में देखते हैं/ जो की आंखों देखे गवाह हैं, खाली कब्र है/ और कलीसिया का काम भी है, और आप इसे चुकना नही चाहेगे, मतलब जब ये सबूत बताते हैं, तो आप सुनना चाहेगे, तो हमारे साथ बने रहे/

।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठिक है, हम मेहमान ली स्ट्रोबल से चर्चा कर रहे हैं, ये पहले लिगल एडीटर थे, शिकागो ट्रिब्युन में, ये स्केप्टी थे और कट्टर नास्तिक थे/ और जैसे ये मसीहीयत के दावों का परिक्षण करने लगे, यीशु के दावों का तो ये सीधा यीशु के पुनरुत्थान पर आएं, कि क्या ये सच में हुआ/ और ये पॉईन्स में चर्चा करते हैं, इस सवाल के नीचे, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा/ये सबूत इन्हें इतने कायल करने लगे, मेरे प्रभु, संभव है कि ये सब सच में हुआ है/ ठीक है, आपने पहले ही बताया है, चलिए फिर से बताएं/

ली स्ट्रोबल: जी पहले है एक्सीक्युशन, जब यीशु को क्रूस से उतारा गया था वो निश्चय ही मर गया था/ और फिर अर्ली अकाऊन्ट्स, ये कोई लेजीन्ड नही जो बहुत समय पहले बनाया गया है, बिलकुल शुरु की जानकारी है जो पुनरुत्थान की शाश्वति देते हैं/ फिर मैं तीसरे ई में गया, वो है एम्टी टूम्ब, इस खाली कब्र के बारे में सबसे सामर्थी बात ये है, मैं सोचता हूं कि पहली सदी से कोई भी इस बात को छोड़ कुछ नही कह रहा था कि ये खाली है/ दूसरे शब्दों में सब देख सकते थे कि ये खाली है/ अधिकारी ये कहानी बताना चाहते थे कि चेले सोए थे, याने गार्डस सो रहे थे और चेलों ने देह चुराई है/ जिसका अर्थ नही है, क्योंकि उनके पास उद्देश, माध्यम और मौका नही था/ इसके बाद भी ये मानते हैं कि देह चली गई/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, दिलचस्प है कि चेलों ने नही किया/

ली स्ट्रोबल: बिलकुल, ये कहानी शुरु से नही बनती/ आज कोई विश्वास नही करता, लेकिन मुख्य बात तो ये है कि दोष निकालनेवालों को इसे बताने के लिए कोई कहानी लेकर आनी पड़ती है, चाहे वो इसे करने में सफल ही क्यों न हो/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : साथ ही 75 प्रतिशत विद्वान, महान विद्वान, जो हैं, वो विश्वास करते हैं कि ये ऐतिहासिक सच्चाई है/

ली स्ट्रोबल: और इस में स्कैप्टीकल विद्वान भी हैं/ ये विश्वासी हैं, नास्तिक हैं, ऐसे लोग जिन्होंने इस बात की स्टडी की है/ 75 प्रतिशत सहमत हैं कि कब्र खाली है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, याने ऐतिहासिक रेकॉर्डस में एक और प्वॉईन्ट है, यीशु की कब्र खाली है, तो ये सवाल उठाता है कि उसकी देह का क्या हुआ?

ली स्ट्रोबल: इसलिए अगला ई है, आय विटनेसेस, और हमारे पास 515 लोग हैं, जिन्होंने फिर जी उठे यीशु को देखा था/ याने पौलुस है, जो अपने अनुभव के बारे में कहता है, और देखिए, उसके पुनरुत्थान का सबसे पहला वाकिया है, जो कि पहला कुरिन्थियों 15 जिसे हम क्रीड़ कहते हैं, प्रारंभीक चर्च में, ये बताता है कि 500 लोगों ने एक ही समय उसे देखा, ये जो कहता है मुझे पसंद

है, जैसे मानो माफ करना, मुझे बताईए कि ये लोग क्यों इकट्ठे हुए हैं/ मुझ पर विश्वास नही करते तो जाकर पुछो, खुद इसे जांच लो, यदि ये सत्य नही होता तो वो ये नही कहते थे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी बिलकुल सच कहा/

बिलकुल देखिए यदि हम इन्हें गवाही देने के लिए बुलाएं कि सब लोगों ने यीशु का पुनरुत्थान देखा, और आप उन्हें बुलाकर हरएक को 15 मिनट तक जांचते रहे, और इसे निरंतर करते रहे, तो आप यहा, 126 घंटों तक ऐसे ही बैठे रहेगे/ इन आंखों देखे गवाह को सुनते हुए, लोग 126 घंटो तक सुनने के बाद, भी चले जाते और कहते मैं इस पर विश्वास नही करता/ मतलब जानते हैं, ये कैसे होगा?

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, फिर है द इमरजन्स ऑफ द चर्च/

ली स्ट्रोबल: मैंने लोगों को डेथ चेम्बर में भेजा गया देखा, इस तरह के सबूतों के फैक्शन से/ तो मैं सोचता हूँ कि ये सामर्थी सबूत है, जिन्होंने यीशु को इन लोगों ने देखा और उनका जीवन बदल गया, जिसमें शाऊल था, जो विश्वासीयों को सताता था और बाद में वो महान मिशनरी पौलुस बन गया/ पुनरुत्थान के कारण, और यीशु का भाई भी, याकूब भी, जो जीवन भर यीशु के आलौकिक होने पर संदेह करता था, वो लोकल चर्चा का लीडर हो जाता है, क्यों? क्योंकि पहला कुरिन्थियो 15 कहता है, कि उसने फिर जी उठे यीशु को देखा था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, फिर है द इमरजन्स ऑफ द चर्च/

ली स्ट्रोबल: इमरजन्स ऑफ द चर्च, इस में अदभुत बात तो ये है कि जिस शहर में यीशु को मारा गया था, कुछ हफ्तों बाद चेले जाते हुए प्रचार कर रहे थे, सुनो, वो मुर्दों में से जी उठा/ अब आप लोगों को ये कैसे बताएंगे, जब वो वहां थे और अच्छे से जानते थे, सच में हम देखते हैं कि लोगों के पास जो सामान्य ज्ञान था उसके विपरित कह रहे हैं, पतरस खड़ा होता है, उसी शहर में जहां यीशु को मारा गया था, कुछ हफ्तों बाद और लोगो से कहता है, तुम्हें यीशु याद है, उसने तुम्हारे मध्य में चमत्कार किएं, तुम जानते हो कि उसने किए/ फिर वो कहता है कि इस यीशु को परमेश्वर ने मुर्दों में से जीलाया, जिसके तुम आंखों देखे गवाह हो/ खैर उन्होंने कैसे प्रतिउत्तर दिया/ क्या उन्होंने कहा पतरस, तुम बढाकर कह रहे हो, खुद बना रहे हो, नही/ इतिहास बताता है कि उस दिन 3000 लोगों ने कहा पतरस, हम जानते हैं तू सत्य कह रहा है, हमें क्या करना चाहिए, और उन्होंने यीशु मसीह के द्वारा माफी और अनुग्रह पाया, चर्च अदभुत रुप में जन्मा/ उसी शहर में जहां उसे मारा गया था/ आप इसे कैसे बताएंगे, यदि ये लेजिन्ड होता, या कहते कि मन की कहानी है/ बढ़ाकर बताना है, या वो झुठ बोल रहे हैं/ मैं सोचता हूं ये सामर्थी बात है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी ठीक है, तो फिर आपने इसका क्या निश्कर्ष निकाला/

ली स्ट्रोबल: जी, दो साल और हम बहुत कुछ कह सकते हैं, जी हाँ, हम उसी पर आ रहे हैं

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी हाँ, बिलकुल

ली स्ट्रोबल: वो दिन था 8 नवंबर 1981, और मैं अपने कमरे में चला गया, रविवार दोपहर का समय था, मैंने पिला गिलल पैड लिया, मैंने वो लिखने के लिए लिया और बीच में एक लाईन खिंची, एक तरफ सबूतों को रखा, जो मुझे सहमत करते थे कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, उसने ये मुर्दों में से जी उठने के द्वारा साबित किया है/ और दूसरी ओर नकारात्मक सबूत लिखे/ और मैं पेज के बाद पेज और पेज के बाद पेज लिखने लगा और अंत में मैंने पेन रख दिया और कहा रुको एक मिनट/ प्रमाणीत सबूतों की ज्योति में, ये मसीहीयत के सत्य को सामर्थी बताता है, तो मुझे अपनी नास्तिकता बनाए रखने के लिए ज्यादा विश्वास की जरुरत होती/ विश्वासी होने से ज्यादा/ क्योंकि मेरी नास्तिकता को बनाए रखने के लिए मुझे बहाव के विरुद्ध बहना होगा/ और ये सारे सबूत दूसरी ओर बह रहे थे/ मैंने जरनलिज़म और लॉ में ट्रेनिंग की है/ कि सत्य को प्रतिउत्तर दुं/ और मैं इसका इनकार नही कर सका, अब मैं विरुद्ध दिशा में नही तैर सका/

तो मैंने बस, बस कहा प्रभु यीशु मैं विश्वास करता हूं, मैं विश्वास करता हूं कि तू परमेश्वर का पुत्र है जिसने मुर्दों में से जी उठने के द्वारा इसे साबित किया है/ अब मैं क्या करुं? मैं क्या करुं? मुझे याद है किसी ने मुझ से कहा यूहन्ना 1:12, मैंने उसे देखा/ यूहन्ना 1:12 क्योंकि जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के पुत्र कहलाने का अधिकार दिया/ उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं/ और मैंने जाना कि उस में विश्वास करता तो उसे स्वीकार करना है, मतलब, मतलब ये केवल दिमागी रुप में चर्च की डॉक्टरिन के साथ सहमत होना नही, इसका अर्थ है कि यीशु को अपने माफ करनेवाले और अगुवे के रुप में स्वीकार करना/ तो मैंने प्रार्थना की और अनैतिक जीवन और पाप से फिर गया/ और मैंने इसका अंगिकार किया और माफी पाई, उसके लिए यीशु मसीह से/ और मैंने कहा प्रभु मैं तेरे पीछे चलना चाहता हुं, मैं वैसे जीना चाहता हूं जिसके लिए तुने मुझे बनाया है/ मेरे बाकी जीवन में/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आपके परिवार को ये कैसे लगा/

ली स्ट्रोबल: जी, मैंने बाहर जाकर अपनी पत्नी को बताया/ और वो फुंटफूट कर रोने लगी, उसने मुझे गले लगाया और कहा तुम कठोर दिल वाले बैपटिस्ट के बेटे, मैंने तुम्हें दो साल से बताया था, लेकिन उसने लोगों से कहा था कि मेरे पती के लिए मेरे पास आशा नही है, और उन्होंने एक वचन दिया था, यहेजकेल 36:26, इतने साल मैं ये जांच कर रहा था, मैंने नही देखा कि मेरी पत्नी प्रार्थना कर रही है, यहेजकेल 36:26, मैं तुम्हें नया दिल दुंगा, और मैं तुम में नई आत्मा नए सिरे से उत्पन्न करुंगा, मैं पत्थर का वो दिल निकाल दुंगा/ और मैं तुम्हें मांस का दिल दूंगा/ और जॉन जैसे मैंने अपना जीवन यीशु के लिए खोल दिया/ वो बदलने लगा मेरे मुल्य, मेरा दृष्टिकोण, मेरी फिलॉसफी, मेरी मनोदशा, मेरी प्राथमिकता/ पिता के रुप में, पती के रुप में मेरे संबंध को बदला/ ये सब समय बितते हुए, भलाई के लिए बदलने लगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : बड़ी बात मैं सोचता हूँ, एलीस और आपकी बेटी/

ली स्ट्रोबल: जी जीवन के पहले 5 साल उसने जाना कि डैडी क्रोध करते, शराब पीते और नही रहते हैं, और जैसे उसने देखा कि प्रभु मेरा जीवन बदल रहा है, उसकी छोटी आंखों के सामने, कुछ महिनों बाद वो मेरी पत्नी के पास गई, पहले तो उसने ये अपने संडे स्कूल टीचर से कहा/ उसने आगे

जाकर कहा, प्रभु ने जो डैडी के लिए किया मैं चाहती हूं प्रभु मेरे लिए वही करे/ और 5 साल की उम्र में उसने अपना दिल खोला, उसने मसीह के द्वारा माफी पाई, वो विश्वासी हो गई, अब वो 31 साल की है/ वो मसीही नॉवल्स लिखती है, मेरा बेटा भी ऐसा ही, विश्वास में आया और अब डीग्री की है, फिलॉसफी एन्ड रीलिज़न और पिछले महिने उसने पी एच डी की है, थियॉलॉजी में, उसने कहा डैड पूरी पीढी है जो इसे नही समझती, ये इच्छा की सोच नही है, ये लेजेन्ड नही है, ये बनाया गया नही है, ये ऐतिहासिक रुप में सत्य है, मैंने कहा बेटे तुम पढो, तुम सिखो और अपनी पीढी को बताओ/ बेटे यीशु ने मेरा जीवन बदल दिया, मेरा अनंतकाल, मेरा परिवार/ और ये मेरी कहानी है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोस्तों, आप ने ये सुना और यदि आप सबूतों से सहमत हैं, मैं इस बात की परवाह करता हुं कि आप में से कुछ लोग इस सबूतों से सहमत हैं, लेकिन कभी इस खेल में नही आएं, याने बेन्च पर बैठे इन बातों पर सोचते रहते, और इस में खतरा है/ ऐसा समय आता है जब आप खुद के लिए यीशु मसीह पर भरोसा रखते हैं, आप कहते हैं ये सत्य है और यदि वो उद्धारक है, तो उसे उद्धार के लिए बिनती करे, और ली वो खतरा क्या है यदि लोग किनारे पर बैठे रहे और इन सबूतों पर काम न करे तो/

ली स्ट्रोबल: ये सबसे बुरी परिस्थिती है क्योंकि वो सोचते हैं कि वो ठीक है/ लेकिन उन्ही के बच्चे उनके जीवन को देखकर नही कहते, मैं बदलाव देखता हूं, मैं फर्क देखता हुं, मैं अपने जीवन में यही चाहता हूं, ये ऐसा क्यों है, आप 50 साल तक बैठकर देख सकते हैं, और किसी तरह की डॉक्टरीन के साथ सहमत हो सकते हैं, लेकिन सर्वशक्तिमान परमेश्वर के गोद लिए बेटे और बेटीयाँ बन जाएं, आप ये कर सकते हैं, जॉन, ये मुश्किल नही है, मैंने इसे किया, 8 नवंबर 1981.

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, दोस्तों मैं खुश हूं कि हम यहां हैं क्योंकि आप में से बहुत से लोग, आपको वही करना चाहिए जो ली ने किया था, मैं आपको ऐसा करने का मौका देना चाहता हूं, मैं चाहता हूं कि ली वैसी प्रार्थना करें जो उन्होंने की थी, जब इन्होंने मसीह को अपने जीवन में बुलाया था और उस पर भरोसा किया था/ और आप में से कुछ लोगों के लिए ये पल है, ये समय है कि आपको अपने शब्दों में प्रभु को बताना है, और आपको ये व्यक्तिगत संबंध बनाना होगा/ शायद डरे हो, लेकिन सच्चाई है कि ये जीवन में सबसे महान बात है/ यदि सबूत हैं तो ये समय है कि उन सबूतों पर काम करे, यदि आप चाहे तो ली प्रार्थना में अगुवाई करेगे, और हम आपके लिए प्रार्थना करेगे/

ली स्ट्रोबल: जब मैं प्रार्थना करता हूं तो आप अभी प्रार्थना कीजिए/ कहे प्रभु यीशु मै विश्वास करता हूँ, कि तू वही है जिसका दावा किया था, तू ही परमेश्वर का एक मात्र पुत्र है, मैं विश्वास करता हूं कि तू मेरे पापों के लिए दाम चुकाने क्रुस पर मरा/ मेरे बदले में,कि मुझे न मरना पड़े/ प्रभु यीशु मैं जानता हुं कि मैने पाप किया, मैंने गलती की है, मैं नैतिकता के अपने स्थर पर रहता था, जब कि तेरा स्थर बहुत उंचा है/ मैं इसका अंगिकार करता हूं, मैं इस तरह जीना नही चाहता/ इस समय मै लेता हूं, तेरा मुफ्त का वरदान, माफी लेता हूं, मैं इसे कमा नही सकता, हासील नही कर सकता/ मैं इस मुफ्त के वरदान को लेता हूं जो तू देता है/ क्रूस पर तूने जो किया उसके आधार पर/ प्रभु यीशु इस समय से आगे, प्लिज़ मेरे जीवन की अगुवाई कर, क्योंकि अब से मेरा जीवन, तेरा ही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोस्तों यदि आप ने ये कहा है, तो बाइबल कहती है कि जो भी, जो भी याने कोई भी, मतलब इस समय आप/ जो भी प्रभु के नाम को पुकारता है, यदी आपने प्रभु को पुकारा है, तो वचन के आखरी तीन शब्द हैं, वो उद्धार पाएंगे/ ये तो मसीह ने आपके लिए किया है, आप इसे नही बना सकते, ये तो वो करता है जब वो आपके जीवन में आता है, जब आप इसे महसुस करते अनुभव करते, तो उसी के साथ इसका अर्थ जानते हुए कहे, विश्वास करे कि उसने ये किया है/ और हम और भी सबूत देखेगे, अगले हफ्ते, आशा करता हुं कि आप फिर से जुड़ेगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI